प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)
नव-पशुचिकित्सकों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

पंतनगर। 28 जुलाई 2021। विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय में 56वें बैच के 38 विद्यार्थियों का पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर आज डा. रतन सिंह सभागार में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डा. ए.के. शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने इस अवसर पर इस बैच के स्नातकों को पशुचिकित्सक के रूप में पशुओं एवं समाज के कल्याण हेतु कार्य किये जाने की शपथ दिलायी। अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय, डा. एन.एस. जादौन; अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, डा. बृजेश सिंह एवं इन्टर्नशिप प्रभारी, डा. मजुल कांडपाल, भी इस अवसर पर मंचासीन थे।

अपने मुख्य अतिथि के सम्बोधन में डा. शुक्ला ने कहा कि सभी नव-पशुचिकित्सकों के लिए आज का यह दिन विशेष है और आज से नव-पशुचिकित्सक नयी जिन्दगी की शुरूआत कर रहे हैं, जो उनके पिछले पांच वर्षों की अथक मेहनत एवं निरंतर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सा क्षेत्रों में पशुचिकित्सक सर्वोत्तम चिकित्सक हैं, क्योंकि वे उनकी मदद करते हैं, जो बेजुबान हैं और अपने विकार को बयां नहीं कर सकते हैं। डा. शुक्ला ने कहा कि विश्व में दुधारू पशुओं की संख्या सबसे ज्यादा है इसलिए पशुचिकित्सक की भुमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि पशुचिकित्सक ग्रामीण क्षेत्रों में नि:स्वार्थ सेवा भाव से कार्य करके विश्वविद्यालय का नाम आगे बढ़ायेंगे। उन्होंने अपेक्षा की कि सभी नव-पशुचिकित्सक अपने कर्तव्यों को समझेंगे और उनका निर्वहन पूरी श्रद्धा के साथ करेंगे। अंत में उन्होंने सभी नव-स्नातकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

डा. एन.एस. जादौन ने इस अवसर पर कहा कि विद्यार्थियों ने जो पांच वर्षों के अन्तर्गत ज्ञान अर्जित किया है, उससे वे समाज और देश का विकास करेंगे। उन्होंने कहा कि नव-पशुचिकित्सक सदैव विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं गुरूजनों के विशेष योगदान को ध्यान में रखते हुए समाज के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन पूरे विश्वास के साथ करेंगे। डा. जादौन ने उत्तीर्ण हुए सभी विद्यार्थियों को पशुओं व समाज की सेवा का कार्य नि:स्वार्थ रूप से करते रहने की प्रेरणा दी। इससे पूर्व कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगणों का स्वागत करते हुए डा. बृजेश सिंह ने कहा कि 38 नव-पशुचिकित्सक अपने कार्यों के द्वारा राज्य ही नहीं अपितु पूरे विश्व में विश्वविद्यालय का परचम लहरायेंगे।

कार्यक्रम में इस बैच के तीन विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के आधार पर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया, जिनमें पहले स्थान पर रौशनी चन्द्र, दूसरे स्थान पर यांशी तथा तीसरे स्थान पर काजल वर्मा थी। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी मोहम्मद आसिफ, ललित सिंह रावत, चिन्मय गुप्ता, रौशनी चन्द्र एवं कविता का विशेष उल्लेख किया गया। कार्यक्रम का संचालन इन्टर्नशिप प्रभारी, डा. मंजुल कांडपाल, के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक उपस्थित थे।

पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के ९६वें बैच के विद्यार्थी पशु एवं समाज कल्याण की शपथ दिलाते कुलसचिव, डा. ए.के. शुक्ला एवं शपथ लेते विद्यार्थी।